प्रदीप मिश्रा बोले- सीवन नदी के उद्धार में आगे पाठ, पीछे सपाट जैसी स्थिति निर्मित न हो

आगामी दिनों में सीवन नदी आकर्षण का केंद्र रहेगी, नदी में नौकायन भी होगा और पिकनिक स्पॉट भी बनेगा

पीपुल्स प्रवक्ता, सीहोर

सीवन उद्धार समिति के द्वारा जीवनदायनी सीवन के उत्थान की पहल की जा रही है। इसको लेकर समिति के आह्वान पर बुधवार को अंतर्राष्ट्रीय कथावाचक पंडित प्रदीप मिश्रा ने सीवन नदी के घाट पर पहुंचकर श्रमदान कर कहा कि सीवन नदी का गहरीकरण बिना योजना के नहीं हो सकता है। इसके लिए हम सभी को संकल्प लेना चाहिए और नेक इरादे से पूरी एकजुटता के साथ योजना बनाकर कार्य करना चाहिए।

पंडित मिश्रा ने कहा कि बिना संकल्प के कोई भी कार्य सिद्ध नहीं होता है। यह मुहिम चार दिन नहीं चलना चाहिए, इसके लिए निरंतर गहरीकरण और साफ-सफाई की प्रक्रिया तेजी से चलती रहना चाहिए। उन्होंने कहाकि विधायक सुदेश राय और नपाध्यक्ष प्रिंस राठौर के द्वारा जो योजना बनाई जा रही है। उससे आने वाले समय में सीवन का उत्थान होने की उम्मीद है। इसके लिए क्षेत्रवासियों का पूरा सहयोग है। मैं कदम-कदम पर जनहित में सबके साथ हूं। इस अवसर पर प्रदीप मिश्रा के साथ विधायक सुदेश राय और अरुणा राय ने जीवनदायिनी सीवन नदी की सुखी तलहटी में उतरे। पंडित प्रदीप मिश्रा के साथ विधायक सुदेश राय, अरुणा राय ने गैंती फावड़े के माध्यम से मिट्टी खोदकर प्राण दाहिनी सीवन नदी में श्रमदान किया। इस मौके पर मात्र एक मिनट में ही सीवन के गहरीकरण के लिए 15 लाख रुपये की राशि एकत्रित हुई है। इसमें विधायक सुदेश राय ने राय परिवार की ओर से 10 लाख, समाजसेवी विवेक रुठिया ने ढाई लाख, डॉक्टर एसोसिएशन की ओर से दो लाख और एक लाख रुपये भोजपुरी समाज की ओर से प्रदान किए गए।

पंडित मिश्रा ने कहा कि शहर के सीवन घाट पर जारी गहरीकरण के अभियान के दौरान पहुंचे। जहां पर कार्यरत नगर पालिका के अमले का स्वागत करते हुए उन्होंने कहा कि जल स्त्रोतों का संरक्षण और संवर्धन करना बहुत जरूरी है। आज शासन के द्वारा जो जल संरक्षण अभियान, वर्षा जल संचयन, जल निकायों के कायाकल्प, उपचारित अपशिष्ट जल के पुन- उपयोग और गहन वनीकरण और पेयजल आपुर्ति पर ध्यान केंद्रित करने वाला एक स्वागत योग्य कदम है। इससे हमारे क्षेत्र का जल स्तर बेहतर बना रहेगा। नगर पालिका का सीवन घाटों का सौंदर्यीकरण और गहरीकरण की पहल स्वागत योग्य है। उन्होंने यहां पर अमले में शामिल अधिकारियों और कर्मचारियों का स्वागत किया।

उपेक्षा का शिकार हो रही थी सीवन नदी

पंडित मिश्रा ने कहा कि शहर के बीच से निकली सीवन नदी लंबे समय से उपेक्षा का शिकार हो रही थी। इसके बाद भी सीवन नदी की तरफ ध्यान नहीं दिया गया। हर साल बारिश के पानी के साथ आने वाली मिट्टी धीरे-धीरे गाद बनकर नदी की गहराई कम होने लगी। उथली होती नदी में जलभराव की मात्रा लगातार कम होती चली जा रही थी, लेकिन इसका ध्यान नहीं गया था। अब वर्तमान परिषद के प्रयास की लोग प्रशंसा कर रहे हैं। कई लोग जनभागीदारी के साथ सहयोग करने को तैयार है, जिससे आगामी दिनों में सीवन नदी का गहरीकरण के साथ सौंदर्यीकरण हो सकेगा।

विधायक सुदेश राय ने कहा कि आगामी दिनों में सीवन नदी आकर्षण का केंद्र बनने जा रही है। नदी में नौकायन भी होगा और पिकनिक स्पॉट भी बनेगा। सुंदर लाइटिंग के साथ पुल का निर्माण भी कराया जाएगा। मॉर्निंग वॉक के लिए नदी के किनारे विशेष स्थान होगा। नदी के किनारो पर मौजूद अतिक्रमण को भी हटाया जाकर नदी की सुरक्षा के लिए कदम उठाए जाएंगे। सीवन उद्धार समिति के द्वारा नदी के अस्तित्व के प्रति ध्यान आकर्षण कराने का कार्य किया जा रहा है। जिसका सुखद परिणाम भी आगामी दिनों में सामने आएगा। श्रमदान के दौरान बड़ी संख्या में विभिन्न संगठनों के पदाधिकारी कार्यकर्ता जनप्रतिनिधि सामाजिक कार्यकर्ता मौजूद रहे।

कांग्रेस ने बहुसंख्यक वर्ग के साथ अन्याय कियाः सीएम

पीपुल्स प्रवक्ता, इंदौर

बंगाल में हो रहे आंदोलनों के सवाल पर मुख्यमंत्री ने कहा कि जिन-जिन लोगों ने वक्फ बिल का विरोध किया, उनके वहां ही क्यों आग लगी है। इससे कांग्रेस की साजिश बेनकाब हुई है। कांग्रेस ने वर्ग विशेष के वोटों के चक्कर में बहुसंख्यक वर्ग के साथ अन्याय किया। मुख्यमंत्री मोहन यादव बुधवार को धार जिले के कुक्षी में जाने के लिए इंदौर विमानतल पहुंचे। उन्होंने मीडिया से चर्चा में कहा कि सरदार वल्लभभाई पटेल ने तो इस देश की आजादी के संघर्ष के साथ-साथ हमारे पहले ज्योतिर्लिंग सोमनाथ मंदिर का जीर्णोद्धार किया। तब राहुल गांधी के पूर्वज नेहरू जी को इसके लोकार्पण के लिए आमंत्रित किया था और उन्होंने मना कर दिया था। दुर्भाग्य से कहना पड़ रहा है गांधी परिवार आज भी राम मंदिर के दर्शन करने से बच रहे है। कांग्रेस अब सरदार पटेल के सिद्धांतों पर चलना चाहती है तो देर से ही सही दुरुस्त आई है। उन्होंने कहा कि हमारे लिए सौभाग्य की बात है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सबका साथ -सबका विकास - सबका विश्वास और सबका प्रयास के आधार पर हमारी सरकारें देश भर में जनता की सेवा कर रही है। जिन राज्यों में भाजपा की सरकारें है। वहां विकास की गंगा बह रही है। बंगाल में हो रहे आंदोलनों के सवाल पर मुख्यमंत्री ने कहा कि जिन-जिन लोगों ने वक्फ बिल का विरोध किया, उनके वहां ही क्यों आग लगी है। इससे कांग्रेस की साजिश बेनकाब हुई है। कांग्रेस ने वर्ग विशेष के वोटों के चक्कर में बहुसंख्यक वर्ग के साथ अन्याय किया। कुक्षी में दो आयोजनों में शामिल होने के बाद वे पर्यटन स्थल मांडू पहुंचे। विमानतल पर मुख्यमंत्री मोहन यादव का भाजपा के जनप्रतिनिधियों ने स्वागत किया।

अमरनाथ यात्रा के लिए इंदौर के13 अस्पताल में होंगे स्वास्थ्य परीक्षण

पीपुल्स प्रवक्ता, इंदौर।

अमर नाथ यात्रा को लेकर सरकार ने तैयारियां शुरू कर दी है,जो यात्री अमर नाथ यात्रा के लिए जाना चाहते है, उनके लिए इंदौर में स्वास्थ्य परीक्षण की 13 अस्पतालों में व्यवस्था की गई है। 14 अप्रैल से परीक्षण की प्रक्रिया शुरू हो जाएगी। अमर नाथ यात्रा पर 13 साल से बड़े बच्चे ही जा सकते है। इसके अलावा 70 साल से ज्यादा उम्र के वृद्ध यात्रा पर नहीं जा सकते है। इस बार यात्रा 38 दिनों की होगी और जुलाई के पहले सप्ताह में शुरुआत होगी। इंदौर में सांवेर, देपालपुर, महू, मानपुर, हातोद में मेडिकल फिटनेस किए जाएंगे।

तलाक से नाराज पति पत्नी के नए पति पर कर दिया जानलेवा हमला

पीपुल्स प्रवक्ता, उज्जैन

तोपखाना क्षेत्र में रईस खान पर अमजद अली और उसके भाई रियाज ने चाकू से जानलेवा हमला किया। अमजद, रईस की पत्नी खुर्शीद का पूर्व पति है। हमले का कारण खुर्शीद का रईस से दूसरा निकाह बताया गया। पुलिस ने 307 धाराओं में मामला दर्ज कर एक आरोपी को गिरफ्तार किया। तोपखाना क्षेत्र में रहने वाले एक युवक पर दो लोगों ने चाकुओं से प्राणघातक हमला कर दिया। युवक की पत्नी ने महाकाल थाने में दोनों बदमाशों के खिलाफ प्राणघातक हमले की रिपोर्ट दर्ज कराई है। जानकारी के अनुसार तोपखाना निवासी रईस खान पिता अब्दुल अजीज दोपहर में मस्जिद से नमाज पढ़कर घर जा रहा था, तभी तोपखाने में उसे अमजद अली उर्फ गब्बर पिता कादर और उसके भाई रियाज निवासी कसेरा जमात खाने के पास बेगमबाग ने रोका और चाकुओं से प्राणघातक हमला कर दिया। रईस की पत्नी खुर्शीद जहां ने पति को गंभीर हालत में चरक अस्पताल में भर्ती कराया। उन्होंने बताया कि अमजद अली से तलाक होने के बाद 4 अप्रैल को रईस खान से दूसरा निकाह किया था। इसी बात को लेकर अमजद व उसके भाई रियाज ने रईस पर हमला किया। खुर्शीद जहां ने बताया कि अमजद शराब पीने का आदी था और आए दिन मारपीट करता था, इस कारण उससे तलाक लिया था।

पहाड़ी पर लगाए पौधे, सीवरेज के पानी से सींचेंगे, 10 करोड़ करेंगे खर्च

पीपुल्स प्रवक्ता, इंदौर

रेवती रेंज की पहाड़ी के पौधों तक सीवरेज का पानी पहुंचाने के लिए नगर निगम 10 करोड़ रुपए खर्च करेगा। इस ठेके में नगर निगम को 16 लाख रुपए की बचत का भी अनुमान है। इस कार्य के लिए नगर निगम ने एक टेंडर जारी किया था, जिसमें दो कंपनियों ने इस काम को करने में रुचि व्यक्त की। निगम को इस काम के लिए न्यूनतम 10.06 करोड़ रुपए का ऑफर मिला, जो पहले अनुमानित 10.22 करोड़ रुपए से कम है।

पौधों के लिए जल आपूर्ति की व्यवस्था

पिछले मानसून के दौरान, प्रदेश के नगरीय प्रशासन मंत्री कैलाश विजयवर्गीय की पहल पर उज्जैन रोड स्थित रेवती रेंज की पहाड़ी पर 12.5 लाख पौधे लगाए गए थे। उस समय एक बड़ी समस्या यह थी कि इन पौधों को जीवित रखने के लिए पानी की व्यवस्था कैसे की जाए। नगर निगम ने पहाड़ी क्षेत्र में बोरिंग करवाई थी, जिसका इस्तेमाल अब तक इन पौधों को पानी देने के लिए किया जा रहा था। हालांकि, अब निगम ने एक नया टेंडर जारी किया है, जिसमें कबीटखेड़ी से रेवती रेंज की पहाड़ी तक पानी लाने का काम किया जाएगा।

जल पुनर्चक्रण का महत्व

नगर निगम द्वारा यह तय किया गया है कि ड्रेनेज का पानी कबीटखेड़ी के ट्रीटमेंट प्लांट से उपचारित होकर रेवती रेंज की पहाड़ी पर पौधों की देखरेख के लिए उपयोग किया जाएगा। इस प्रक्रिया से जल की बचत होगी और पर्यावरण की भी रक्षा होगी। निगम का यह कदम जल पुनर्चक्रण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, जिससे जल का पुनः उपयोग करके पौधों की देखभाल की जाएगी। इस परियोजना पर नगर निगम का अनुमान था कि 10.22 करोड़ रुपए की लागत आएगी, लेकिन अब यह लागत घटकर 10.06 करोड़ रुपए हो गई है।

कार्य की योजना और विवरण

निगम की जनकार्य समिति के प्रभारी राजेंद्र राठौर के अनुसार, इस परियोजना के तहत इंदौर शहर में रेवती रेंज पहाड़ी पर पौधों के लिए 245 एमएलडी एसटीपी कबीटखेड़ी से पानी लाने के लिए विभिन्न कार्य किए जाएंगे। इसमें पंपिंग मेन, पंपिंग मशीनरी, ईएसआर का सर्वेक्षण, मृदा जांच, डिजाइन, आपूर्ति, लाइन बिछाने और कमीशनिंग जैसी गतिविधियां शामिल हैं। दो कंपनियों ने इस टेंडर में भाग लिया था, जिसमें संयुग इंफ्राकॉन प्राइवेट लिमिटेड ने सबसे कम दर दी है।

आइस फैक्ट्री से आधी रात अमोनिया गैस का रिसाव

उज्जैन प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की टीम पहुंची

पीपुल्स प्रवक्ता, रतलाम

रतलाम जिले के जावरा में पुलिस कॉलोनी के पास स्थित आइस फैक्ट्री से बीती रात अमोनिया गैस के रिसाव के कारण लोगों की आंखों में जलन होने लगी। बुधवार को मध्यप्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने जांच की तो सामने आया कि फैक्ट्री अवैध रूप से संचालित हो रही थी।

रतलाम जिले के जावरा में पुलिस कॉलोनी के पास स्थित आइस फैक्ट्री में मंगलवार रात अमोनिया गैस लीकेज होने से हड़कंप मच गया। गैस लीकेज से पुलिस कॉलोनी में निवासरत सीएसपी दुर्गेश आर्मो और उनका परिवार गैस की चपेट में आ गया, जिससे उन्हें आंखों में जलन होने लगी। जानकारी मिलने पर पुलिस प्रशासन का अमला हरकत के आया और मौके पर फायर ब्रिगेड को बुलवाकर पानी का छिड़काव करवाया। उसके बाद गैस लीकेज वाल बंद किया गया। बुधवार सुबह मध्यप्रदेश प्रदूषण बोर्ड उज्जैन की फैक्ट्री की जांच करने पहुंची। जांच में पाया कि फैक्ट्री अवैध रूप से संचालित की जा रही थी। फैक्ट्री संचालक के पास किसी तरह की परमिशन नहीं पाई गई। रतलाम के जावरा में पुलिस लाइन के निकट स्थित आइस फैक्ट्री में बीती रात अमोनिया गैस लीकेज हो गई। गैस जैसे-जैसे फैलती गई तो आसपास के क्षेत्र सहित पुलिस कॉलोनी के रहवासी भी इसकी चपेट में आ गए, जिसमें जावरा सीएसपी दुर्गेश आर्मो और उनका परिवार भी शामिल है। जावरा सीएसपी दुर्गेश आर्मो जब रात को टहल रहे थे। तभी उनकी आंखों में आंसू आने लगे और जलन होने लगी, जिसके बाद उन्हें जानकारी मिली कि आइस फैक्ट्री से अमोनिया गैस का रिसाव हो रहा है। गैस रिसाव के कारण सीएसपी के माता-पिता और भाई भी इसकी चपेट में आ गए, जिसके बाद उन्हें अस्पताल पहुंचाया गया। सीएसपी दुर्गेश आर्मो ने गैस रिसाव की सूचना तत्काल पुलिस व प्रशासन के आला अधिकारियों को दी, जिसके बाद आसपास के क्षेत्र व पुलिस कॉलोनी को खाली करवाया गया व उन्हें सुरक्षित स्थान पर जाने की सूचना दी गई। गैस लीकेज के समय एसपी अमित कुमार जावरा में दौरे पर थे। जानकारी मिलते ही वह भी मौके पर पहुंचे। सूचना मिलते ही जावरा एसडीएम त्रिलोचन गौड़, एसडीओपी संदीप मालवीय, थाना प्रभारी जितेंद्र जादौन मौके भी मौके पर पहुंचे और फायर ब्रिगेड बुलाई गई। फैक्ट्री में स्थित टैंक पर पानी का छिड़काव किया गया।

बताया जा रहा है कि टैंक के वॉल में लीकेज होने के कारण गैस का रिसाव हो रहा था, जिसे बंद किया गया व फैक्ट्री सहित प्रभावित क्षेत्र में पानी का छिड़काव करवाया गया। सीएसपी दुर्गेश आर्मो की सजगता से बड़ी घटना होने से बच गई। घटना की जांच करने के लिए बुधवार सुबह मध्यप्रदेश प्रदूषण बोर्ड उज्जैन की टीम आइस फैक्ट्री पर पहुंची है। टीम के अधिकारियों ने संचालक से फैक्ट्री से जुड़े दस्तावेज मांगे, लेकिन संचालक कोई वैध दस्तावेज उपलब्ध नहीं करा पाया। फैक्ट्री संचालक के पास न तो फैक्ट्री संचालित करने की परमिशन पाई गई और न ही मध्यप्रदेश पॉल्यूशन बोर्ड का लाइसेंस पाया गया।

ब्रेस्ट कैंसर के उपचार के शोध में उपलब्धि, सागर विवि फार्मेसी विभाग को मिला भारतीय पेटेंट

पीपुल्स प्रवक्ता, सागर।

डॉ. साक्षी सोनी ने स्तन कैंसर के इलाज में लक्षित दवा वितरण तकनीक विकसित की, जिससे स्वस्थ कोशिकाएं सुरक्षित रहती हैं। उन्हें इसके लिए भारतीय पेटेंट और युवा वैज्ञानिक पुरस्कार मिला। यह तकनीक सस्ती, प्रभावी और सुरक्षित है, जिससे कीमोथैरेपी के दुष्प्रभाव कम होते हैं।

डॉक्टर हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय सागर के फार्मेसी विभाग की शोधार्थी एवं वर्तमान में राष्ट्रीय औषधीय शिक्षा अनुसंधान संस्थान अहमदाबाद में रिसर्च एसोसिएट डॉ. साक्षी सोनी ने कैंसर में उपचार में उल्लेखनीय सफलता प्राप्त की। इनके शोध कार्य लिपोसोम कंपोजिशन एंड मैथड फॉर टारगेटिंग ड्रग डिलेवरी को हाल ही में भारतीय पेटेंट प्राप्त हुआ है। यह नवाचार स्तन कैंसर के इलाज के लिय दवा को लक्षित ढंग से पहुंचाने की दिशा में एक बड़ी उपलब्धि मानी जा रही है। इस शोध का उद्देश्य कैंसर की दवाओं को सीधे टयूमर कोशिकाओं तक पहुंचाकर स्वास्थ कोशिकाओं को नुकसान से बचाना है। उन्होंने बताया कि पारंपरिक कीमोथैरेपी में शरीर की सामान्य कोशिकाएं भी प्रभावित होती हैं, जिससे कई दुष्प्रभाव उत्पन्न होते हैं, लेकिन यह नई तकनीकि लक्षित वितरण प्रणाली के माध्यम से सिर्फ कैंसर कोशिकाओं पर प्रभाव डालती है। इससे उपचार अधिक प्रभावी और सुरक्षित बनता है। पारंपरिक कीमोथैरेपी के मुकाबले काफी सुरक्षित और किफायती भी है।

निकली भव्य कलश यात्रा, 14 अप्रैल तक चलेगी संगीतमय भागवत कथा

पीपुल्स प्रवक्ता, इंदौर।

बीजलपुर में सार्वजनिक भागवत कथा का शुभारंभ हुआ। 8 अप्रैल को निकली कलश यात्रा में सैकड़ों धर्मप्रेमी महिलाओं ने कलश यात्रा में हिस्सा लिया। आचार्य देव जी महाराज (वृंदावन) के द्वारा संगीतमय कथा का आयोजन बीजलपुर में हो रहा है। कथा 8 अप्रैल से 14 अप्रैल तक आयोजित की जा रही है। सुबह 11 बजे से दोपहर 2 बजे तक चंद्रवंशी खाती समाज धर्मशाला बीजलपुर में चल रही कथा में सैकड़ों भक्तगण रोज आ रहे हैं। कथा के सूत्रधार प्रीतेश पटेल ने बताया कि कथा में महिलाओं के साथ बड़ी संख्या में बच्चे, युवा और बुजुर्ग भी आ रहे हैं। स्कूलों के अवकाश होने के कारण बड़ी संख्या में बच्चे भी कथा में शामिल हो रहे हैं।

भक्तों की सुविधाओं के लिए बांट ली जिम्मेदारी

अमर पटवारी, कपिल बोरवाला, आशीष पटवारी, अजय पटेल, केतन बागवाला, निखिलेश बागवाला, अंकित चौधरी, अनुराग मुनीम, आकाश पटेल, अंकित वर्मा और अन्य साथियों के द्वारा कथा की व्यवस्थाओं का संचालन किया जा रहा है। सभी ने अपनी जिम्मेदारियां बांट ली हैं और भक्तों की सुविधाओं का विशेष ध्यान रखा जा रहा है।

मेयर ने मुआवजे के हकदार की दुकान का ताला खुलवाया

रविकांत मिश्रा का मकान वर्ष 2017 में नगर निगम ने सड़क चौड़ीकरण में तोड़ा था। मिश्रा ने जिला कोर्ट के लिए याचिका लगाई थी। कोर्ट ने दो करोड़ रुपये से ज्यादा का मुआवजा तय किया था, लेकिन निगम अफसरों ने मुआवजे की राशि नहीं दी थी।

पीपुल्स प्रवक्ता, इंदौर

इंदौर के गणेशगंज निवासी रविकांत मिश्रा के बकाया संपत्तिकर के लिए दुकान नगर निगम ने सील कर दी थी। दिल्ली से लौटे मेयर पुष्य मित्र भार्गव एयरपोर्ट से सीधे मिश्रा परिवार के घर पहुंचे। उन्होंने दुकान की सील भी खुलवाई और निगम के अफसरों को नोटिस देने और कुर्की करने को लेकर नाराजगी भी जताई। रविकांत मिश्रा का मकान वर्ष 2017 में नगर निगम ने सड़क चौड़ीकरण में तोड़ा था। मिश्रा ने जिला कोर्ट के लिए याचिका लगाई थी। कोर्ट ने दो करोड़ रुपये से ज्यादा का मुआवजा तय किया था, लेकिन निगम अफसरों ने मुआवजे की राशि नहीं दी थी। चार मार्च को जब नगर निगम के पेश बजट पर चर्चा हो रही थी, तब जिला कोर्ट के अमले ने राशि वसूलने के लिए निगमायुक्त सहित अन्य अफसरों के वाहन जब्त कर नोटिस चस्पा कर दिया था।

निगम ने हाईकोर्ट की शरण ली और स्टे मिल गया। इसके बाद मिश्रा के घर निगम का अमला पहुंचा और आवासीय मकान पर व्यापारिक गतिविधियां संचालित करने, बकाया संपत्तिकर का नोटिस देते हुए दुकान सील कर दी थी। निगम के इस पलटवार की चर्चा रही। इस बीच बुधवार को मेयर पुष्य मित्र ने मिश्रा के घर जाकर कहा कि वे उनके व गणेशगंज रहवासियों के साथ है।

इंदौर में पराली जलाने से बढ़ा प्रदूषण

पीपुल्स प्रवक्ता, इंदौर

इंदौर में पराली जलाने के मामलों में लगातार वृद्धि हो रही है, जिससे प्रदूषण स्तर में वृद्धि हो रही है। कलेक्टर आशीष सिंह ने किसानों को जागरूक करने के लिए प्रचार रथ अभियान शुरू किया है। इंदौर में खुले स्थानों पर कचरा जलाने के साथ-साथ फसल कटाई के बाद खेतों में पराली यानी नरवाई जलाने के मामले भी बढ़ते जा रहे हैं। केंद्रीय पर्यावरण और वन मंत्रालय इन घटनाओं को लेकर लगातार दिशा-निर्देश जारी कर रहा है। साथ ही सभी जिलों की रैंकिंग भी की जा रही है और मध्यप्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा सेटेलाइट डाटा की रिपोर्ट कलेक्टरों को भेजी जा रही है, ताकि वे अपने जिलों में इस पर कार्रवाई कर सकें। इंदौर में भी 186 स्थानों पर पराली और कचरे को जलाने की घटनाएं सामने आई हैं, जिनकी जानकारी सेटेलाइट डाटा के माध्यम से प्राप्त हुई है।

कलेक्टरों की कार्रवाई में रुकावट और सख्त दिशा-निर्देश

किसानों के विरोध के कारण कई जिलों के कलेक्टर पराली जलाने की घटनाओं पर सख्त कार्रवाई नहीं कर पाते हैं। जबकि केंद्रीय सरकार, प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड और एनजीटी लगातार इस संबंध में कड़े दिशा-निर्देश जारी कर रहे हैं। मध्यप्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा एकत्र किए गए सेटेलाइट डाटा के आधार पर संबंधित जिलों के कलेक्टरों को इस मामले में कार्रवाई करने के लिए सूचित किया गया है। इस डाटा में होशंगाबाद जिले में सबसे ज्यादा 292 स्थानों पर पराली जलाने की घटनाएं मिली हैं। इसके बाद छिंदवाड़ा, सागर, उज्जैन और सिहोर जैसे जिलों में भी यह समस्या अधिक है। इंदौर जिले में भी 186 स्थानों पर कचरा और पराली जलाने के मामले सामने आए हैं।